



ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ମୁକ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, ସମ୍ବଲପୁର, ଓଡ଼ିଶା  
Odisha State Open University, Sambalpur, Odisha  
Established by an Act of Government of Odisha.

ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ମୁକ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ  
ସମ୍ବଲପୁର, ଓଡ଼ିଶା

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

**Bachelor in Hindi**

**Semester – 02**  
(B.A.H.D.)

सत्रीय कार्य  
**Assignment**

[प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ ले]

# निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

ओडिशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के कला स्नातक (सम्मान) कार्यक्रम में आपका स्वागत है।

उपर्युक्त कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने से पूर्व अपेक्षित है कि आप हर पाठ्यक्रम (course) हेतु नियत सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का समुचित उत्तर लिखकर अपनी उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केंद्र में नियत तिथि के अंदर जमा कर दें, बिना सत्रीय कार्य पूर्ण किए आप सत्रांत परीक्षा के लिए अयोग्य माने जाएँगे। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कुल (सत्रांत परीक्षा + सत्रीय कार्य) मिलकर 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने अनिवार्य है। सत्रीय कार्य में अनुत्तीर्ण होने अथवा समय पर सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा ना करने की स्थिति में आपको अगले सत्र में उस नए सत्र और पिछले सत्र का सत्रीय कार्य भी जमा करना होगा।

## सत्रीय कार्य का महत्त्व

1. प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंको का है और इसमें दिए गए प्रश्न निर्धारित खंडों के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। इसमें प्राप्त अंकों का 20 प्रतिशत सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों से जुड़कर आपको बड़ी सफलता दिलाने में सहायक साबित होगा।
2. सत्रीय कार्य के अंकों के 20 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के 80 प्रतिशत को मिलाकर इस पाठ्यक्रम में आपकी सामग्रिक उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।

## पाठ्यक्रम व सत्रीय कार्य प्रश्नावली की रूप – रेखा

कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध बी.ए (सम्मान) कार्यक्रम के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अवलोकन करें। कला स्नातक कार्यक्रम के इस पर्याय (semester) में निर्धारित पाठ्यक्रम इस प्रकार है –

बी.ए कोर कोर्स – 3 (Core Course – 3)

: 6 क्रेडिट के लिए 2 प्रश्नपत्र

बी.ए कोर कोर्स – 4 (Core Course – 4)

: 6 क्रेडिट के लिए 2 प्रश्नपत्र

विश्वविद्यालय के नियमानुसार हर 4 क्रेडिट कोर्स के लिए एक प्रश्नपत्र होगा और 6 या 8 क्रेडिट कोर्स के लिए दो प्रश्नपत्र होंगे।

## सत्रीय कार्य का उद्देश्य

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जांचना है कि आपने पाठ्यक्रम से सम्बंधित सामग्री को कितना पढ़ा – समझा है और उसका विवेचन – विश्लेषण व मूल्यांकन करने की कितनी क्षमता अर्जित की है।

## सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका कैसे तैयार करेंगे

1. उत्तर के लिए फुलस्केप आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें।
2. उत्तर स्पष्ट और साफ़ लिखें।
3. निर्देशों को पढ़कर उसी के अनुसार उत्तर दें।
4. पूछे गए प्रश्नों के आधार पर उत्तर दें, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर से इतर कुछ ना लिखें।

उत्तर पुस्तिका के आवरण पृष्ठ यानी पृष्ठ संख्या – 1 का नमूना निचे दिया जा रहा है –

अनुक्रमांक .....
नाम .....
पता .....
कार्यक्रम का नाम .....
पाठ्यक्रम शीर्षक .....
सत्रीय कार्य कोड .....
अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड .....
हस्ताक्षर .....
दिनांक .....

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा करने की अंतिम तिथि का विवरण

क्रम सं	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	खंड सं	क्रेडिट	अंतिम तिथि	वार
1.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 3	हिंदी साहित्य का इतिहास – 2	1,2	06	24 मई 2020	रविवार
2.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 3	हिंदी साहित्य का इतिहास – 2	3,4,5		24 मई 2020	रविवार
3.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 4	कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिंदी कविता	1,2	06	24 मई 2020	रविवार
4.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 4	कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिंदी कविता	3,4		24 मई 2020	रविवार

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) – 2

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – जुलाई 2019

पाठ्यक्रम का नाम : हिंदी साहित्य का इतिहास – 2

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 3

खंड - (01,02 पर आधारित)

पूर्णांक – 100

[ सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें ]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (1x10=10)

- (क) आधुनिक शब्द किस कल वाचक अव्यय से बना है ?
- (ख) ईस्ट इंडिया कंपनी ने विलय का सिधांत कब बना लिया था ?
- (ग) कलकत्ता में चिकित्सा महाविद्यालय कब और किसने खोला ?
- (घ) चौखंबा स्कूल क्यों खोला गया ?
- (ङ) प्रथम हिंदी पत्र का आरंभ कब और कहा हुआ ?
- (च) लार्ड कार्नवालिस द्वारा कब और कहा जमींदारी प्रथा आरम्भ की गई ?
- (छ) हिंदी भाषी क्षेत्र में पहला समाचारपत्र कब और किसने निकाला ?
- (ज) द्विवेदी काल का नामकरण किनके नाम पर हुआ ?
- (झ) जान गिलक्राइस्ट कौन थे ?
- (ञ) जयशंकर प्रसाद ने कहानी लिखना कब शुरू किया ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

- (क) द्विवेदी मंडल के कवियों का सामान्य परिचय दीजिए।
- (ख) भारतीय प्रगतिशील लेखक मंच की स्थापना कब और क्यों हुई ?
- (ग) प्रगतिवाद काव्य धारा से क्या अभिप्राय है इस धारा के प्रमुख कवि कौन है ?
- (घ) ब्रह्म समाज की स्थापना के पीछे क्या उद्देश्य था ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। (10x4=40)

- (क) भारतीय राजनीति में कौन सा युग नौरोजी, गोखले और तिलक युग था और क्यों ?
- (ख) सृजनात्मक साहित्य क्या है ?
- (ग) द्विवेदी युगीन काव्य में प्रकृति का क्या स्थान है ?
- (घ) श्रव्य काव्य और दृश्य काव्य को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। (15x2=30)

- (क) त्रिपाठी जी (रामनरेश त्रिपाठी) द्विवेदी युग में स्वच्छंदवादी धारा के प्रमुख कवि हैं। स्पष्ट कीजिए।
- (ख) हिंदी साहित्य में प्रेस के विकास को अपने शब्दों में लिखिए

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) – 2

सत्रीय कार्य – 2

सत्र – 2019-20

पाठ्यक्रम का नाम : हिंदी साहित्य का इतिहास – 2

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 3

खंड CC – 03 (03,04,05 पर आधारित)

पूर्णांक – 100

[ सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें ]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (10x1=10)

- (क) विषयवस्तु के आधार पर निबंध के कितने भेद हैं और कौन कौन से ?
- (ख) आदिवासी शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
- (ग) प्रमुख आदिवासी लेखे एवं उनकी कृतियों को बताइए।
- (घ) जल, जंगल, जमीं से क्या तात्पर्य है ?
- (ङ) सरस्वती पत्रिका का आरंभ कब, कहा और किसने किया ?
- (च) स्त्री विमर्श के किन्ही पाँच महिला रचनाकार के नाम और उनकी कृतियों को लिखिए।
- (छ) निबंध लेखन के शुरुआत के पीछे के प्रमुख दो कारण बताइए।
- (ज) आचार्य शुक्ल के अनुसार हिंदी निबंध को कितने भागों में बाँटा जा सकता है नाम सहित बताइए।
- (झ) जीवन साहित्य के प्रमुख कवि और उनके कृतियों को बताइए।
- (ञ) भारतेंदु युग के प्रमुख कवियों के नाम बताइए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

- (क) निबंध विचारों और भावों की अभिव्यक्ति है – स्पष्ट कीजिए।
- (ख) सूचनात्मक साहित्य क्या है ?
- (ग) नाटक के प्रमुख तत्त्व कौन कौन से हैं ?
- (घ) संविधान में आदिवासीयों के लिए क्या क्या प्रावधान किये गए हैं ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। (10x4=40)

- (क) नाटक और एकांकी में अंतर स्पष्ट कीजिए।
- (ख) हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श की शुरुवात कैसे हुई ?
- (ग) उपन्यास और कहानी में क्या भिन्नता है उदाहरण देते हुए समझाइए।
- (घ) हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श के स्थान को समझाइए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। (15x2=30)

- (क) उपन्यास के प्रमुख तत्वों को स्पष्ट कीजिए।
- (क) दलित और आदिवासी विमर्श में अंतर स्पष्ट कीजिए।

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) – 2

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – जुलाई 2019

पाठ्यक्रम का नाम : कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिंदी कविता

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 4

खंड - (01,02 पर आधारित)

पूर्णांक – 100

[ सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें ]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (10x1=10)

- (क) सूरदास के प्रामाणिक ग्रन्थ के नाम बताइए ?
- (ख) सूरदास की जन्मभूमि से संबंधित स्थानों के नाम बताइए ?
- (ग) सूरदास के गुरु कौन थे ?
- (घ) सूर ने कृष्ण की किस रूप की आराधना की है ?
- (ङ) रसराज किसे और क्यों कहते हैं ?
- (च) अष्टछाप के कवियों के नाम बताइए।
- (छ) वल्लभाचार्य के पुष्टिमार्ग का लक्ष्य क्या था ?
- (ज) रसखान ने किससे दीक्षा लि थी ?
- (झ) रसखान की कृतियों के नाम बताइए।
- (ञ) रसखान ने किस भाषा में काव्य रचना की है ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

- (क) बाह्य साक्ष्य के रूप में सूरदास का जीवन परिचय दीजिए।
- (ख) बल्लभ संप्रदाय के बारे में बताइए।
- (ग) चौपाई का परिचय उदाहरण सहित दीजिए।
- (घ) रसखान की भक्ति भावना को को समझाइए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। (10x4=40)

- (क) वल्लभ संप्रदाय से क्या आशय है ?
- (ख) कृष्ण कथाओं के भीतर वर्णित कृष्ण के रूपों का परिचय दीजिए।
- (ग) रसखान की भक्ति का क्या उद्देश्य है ?
- (घ) रसखान की काव्य भाषा को समझाइए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए।

(15x2=30)

निम्न पद की व्याख्या कीजिए –

(क) “ऊधो, मन माने की बात।

दाख छुहारो छांड़ि अमृतफल, बिषकीरा बिष खात॥  
जो चकोर कों देइ कपूर कोउ, तजि अंगार अघात।  
मधुप करत घर कोरि काठ में, बंधत कमल के पात॥  
ज्यों पतंग हित जानि आपुनो दीपक सो लपटात।  
सूरदास, जाकौ जासों हित, सोई ताहि सुहात”

(ख) “मानुस हौं तो वही ‘रसखानि’, बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन ।

जो पशु हौं तो कहा बस मेरो, चरौं नित नंद की धेनु मँझारन ॥  
पाहन हौं तौ वही गिरि को, जो धर्यो कर छत्र पुरंदर धारन ।  
जो खग हौं तो बसेरो करौं ,नित कालिंदी कूल कदम्ब की डारन ॥”

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) – 2

सत्रीय कार्य – 2

सत्र – जुलाई 2019

पाठ्यक्रम का नाम : कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिंदी कविता

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 4

खंड - (03,04 पर आधारित)

पूर्णांक – 100

[ सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें ]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए।

(10x1=10)

- (क) केशवराय कौन थे ?
- (ख) बिहारी के कृतियों का नाम बताइए।
- (ग) सतसई की पहली गद्य टीका किसने और कब की है ?
- (घ) बिहारी का पूरा नाम क्या है ?
- (ङ) विप्लव श्रीनगर के भेदों के नाम बताइए।
- (च) बिहारी की ब्रजी पर किसका प्रभाव था।
- (छ) बिहारी के गुरु कौन थे ?
- (ज) बिहारी किस राजा के दरबारी कवि थे ?
- (झ) बिहारी ने कौन सा दोहा राजा जयसिंह के पास लिखकर भिजवाया था ?
- (ञ) बिहारी आमेर कब और किसके यहाँ पहुँचे थे ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए।

(5x4=20)

- (क) रीतिकाल का काल खंड और उसके प्रमुख कवि का नाम बताइए।
- (ख) बिहारी ने कृष्ण के किस रूप को अपने काव्य में स्थान दिया है ?
- (ग) बिहारी सतसई का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
- (घ) घनानंद के और बिहारी के कृष्ण में क्या अंतर है ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए।

(10x4=40)

- (क) दरबारी काव्य परंपरा में बिहारी का स्थान बताइए।
- (ख) मुक्त काव्य परंपरा क्या है ?
- (ग) घनानंद के काव्य का परिचय दीजिए।
- (घ) घनानंद के कलापक्ष को समझाइए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए।

(15x2=30)

सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

- (क) “अति सूधो सनेह को मारग है, जहां नेकु सयानप बांक नहीं।  
तहां सांचे चलैं तजि आपुनपौ, झिझकैं कपटी जे निसांक नहीं॥  
घन आनंद प्यारे सुजान सुनौ, यहां एक ते दूसरो आंक नहीं।  
तुम कौन धौं पाटी पढे हौ लला, मन लेहु पै देहु छटांक नहीं॥”
- (ख) रीतिकाल के तीनों काव्य की विस्तार से चर्चा कीजिए ।